भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. 1808
सोमवार, 31 जुलाई, 2023/9 श्रावण, 1945 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

सीमावर्ती क्षेत्रों में पर्यटन को प्रोत्साहन

1808. श्री आर. के. सिंह पटेल:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए क्या कार्य योजनाएं तैयार की गई हैं;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान देश में कितने सीमावर्ती क्षेत्रों को पर्यटन के उद्देश्य से विकसित किया गया है; और

(ग) सरकार की सीमावर्ती क्षेत्रों के निकट स्थित गांवों को देश के पर्यटन मानचित्र में सम्मिलित करने के लिए क्या योजना है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों सहित देश में पर्यटन का संवर्धन करता है। मंत्रालय अपनी 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)' और 'केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक प्रमुख योजनाओं के तहत सीमावर्ती राज्यों सहित देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। ये वित्तीय सहायता विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, निधियों की उपलब्धता और योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन के आधार पर प्रदान की जाती है। स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों के विकास के लिए अब स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में परिवर्तित किया गया है।

इसके अतिरिक्त, मंत्रालय संवर्धनात्मक कार्यक्रमों, मेलों और महोत्सवों आदि के लिए राज्य सरकारों को सहायता सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से भी पर्यटन गंतव्य के रूप में भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है। मंत्रालय अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्रोत्साहनों के माध्यम से पर्यटन गंतव्यों का नियमित रूप से संवर्धन करता है।

सीमावर्ती क्षेत्रों में पर्यटन के संवर्धन हेतु पर्यटन मंत्रालय की कुछ प्रमुख पहलें और प्रयास निम्नानुसार हैं:-

i. वर्ष 2017-18 में संयुक्त चेक पोस्ट (जेसीपी), अट्टारी, पंजाब में पर्यटन संबंधी अवसंरचनात्मक विकास हेतु सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को 1312.00 लाख रु. की राशि स्वीकृत की गई।

ii. वर्ष 2022-23 में बीएसएफ चेक पोस्ट तनोट कॉम्प्लेक्स में सीमा पर्यटन के विकास के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को 1767.66 लाख रु. की राशि स्वीकृत की गई।
iii. मंत्रालय ने भारत में ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए एक राष्ट्रीय कार्यनीति और रोडमैप भी तैयार किया है जो ग्रामीण पर्यटन के लिए मॉडल नीतियां और सर्वश्रेष्ठ कार्यप्रणालियों, ग्रामीण पर्यटन के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी और प्लेटफार्म, ग्रामीण पर्यटन के लिए क्लस्टरों का विकास, ग्रामीण पर्यटन के लिए बाज़ार समर्थन और हितधारकों की क्षमता निर्माण जैसे कार्यनीतिक स्तंभों पर केंद्रित है।
iv. पर्यटन मंत्रालय ने ग्रामीण पर्यटन ग्राम पोर्टल भी आरंभ किया है जिसमें सीमावर्ती क्षेत्रों, ग्रामीण होमस्टे आदि सहित देश में ग्रामीण पर्यटन गंतव्यों के बारे में जानकारी दी गई है।
v. मंत्रालय ने उत्तराखंड में गंगोत्री के निकट स्थित हर्शिल-बगोरी-मुखवा-धारली के मार्गदर्शी ग्रामीण क्लस्टर को भी चिह्नित किया है।

इसके अलावा, सरकार ने अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख संघ राज्यक्षेत्र में उत्तरी सीमा से सटे 19 जिलों के 46 ब्लॉक में कवरेज के लिए चिह्नित 662 गांवों के व्यापक विकास हेतु 15 फरवरी, 2023 को जीवंत गांव कार्यक्रम (वीवीपी) को अनुमोदन प्रदान किया है।

पर्यटन का संवर्धन वीवीपी के तहत हस्तक्षेप के चिह्नित केंद्रीय क्षेत्रों में से एक है।

****